स्वर्ग के राज्य की कीमत

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

येशु अक्सर स्वर्ग के राज्य के बारे में दृष्टांतों और स्पष्ट कथनों के माध्यम से बात करते थे, जो यह दर्शाते हैं कि यह अमूल्य होने के साथ-साथ महंगा भी है। यह परमेश्वर की कृपा से निःशुल्क दिया गया है (इफिसियों 2:8–9), फिर भी यह पूर्ण समर्पण की मांग करता है (लूका 14:33)। यह विरोधाभास हमें दिखाता है कि उद्धार सस्ती कृपा नहीं है; यह महंगी कृपा है, जैसा कि डिट्रिच बॉन्होफ़र ने लिखा था।

1. राज्य के लिए संघर्ष

मत्ती 11:12 कहता है:

“यूहन्ना के समय से लेकर अब तक स्वर्ग का राज्य बलपूर्वक प्राप्त किया जाता है, और बलवान लोग उसे हथियाते हैं।”

यहाँ येशु भौतिक हिंसा की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि आध्यात्मिक दृढ़ संकल्प की बात कर रहे हैं। धर्मशास्त्रियों के अनुसार, यह पद हमें यह दिखाता है कि परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने के लिए तत्काल और तीव्र प्रयास की आवश्यकता होती है। कोई भी आसानी से शाश्वत जीवन में प्रवेश नहीं कर सकता। इसके लिए पश्चाताप, विश्वास, दृढ़ता और बलिदान की आवश्यकता होती है

स्वर्ग के राज्य की कीमत

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

(प्रेरितों के काम 14:22)।

2. छुपा हुआ खजाना और मोती

मत्ती 13:44–46 कहता है:

“स्वर्ग का राज्य उस खजाने के समान है जो खेत में छुपा हुआ
था। जब किसी ने उसे पाया, तो उसने उसे फिर से छुपाया, और अपनी खुशी में जाकर उसने जो कुछ भी था, वह सब बेचकर वह खेत खरीद लिया।
फिर, स्वर्ग का राज्य उस व्यापारी के समान है जो अच्छे
मोतियों की खोज में था। जब उसने एक बहुत मूल्यवान मोती पाया,
तो वह गया और जो कुछ भी उसके पास था, वह सब बेचकर उसे खरीद लिया।”

छुपा हुआ खजाना और उच्च मूल्य का मोती हमें सिखाते हैं कि परमेश्वर का राज्य हमारे पास मौजूद सभी चीजों से अधिक मूल्यवान है।

धार्मिक दृष्टि से, ये दृष्टांत निम्नलिखित बातों पर बल देते हैं:

स्वर्ग के राज्य की कीमत

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

उद्धार का अनमोल मूल्य: मसीह में शाश्वत जीवन सभी सांसारिक संपत्ति से श्रेष्ठ है।
पूर्ण समर्पण की आवश्यकता: दोनों पुरुषों ने अपनी सारी संपत्ति बेच दी—यह आत्मा को त्यागने और क्रूस उठाने का प्रतीक है (लूका 9:23)।
आनंदपूर्ण बलिदान: ध्यान दें कि व्यक्ति ने सब कुछ खुशी से बेचा। जब आत्मा
हमें मसीह की महिमा दिखाती है, तो बलिदान हानि नहीं बल्कि लाभ लगता है (फिलिप्पियों 1:21)।

3. मूसा का उदाहरण

इब्रानियों 11:24–26 बताता है:

“विश्वास द्वारा मूसा ने जब बड़ा हुआ, तो उसने फिरौन की पुत्री का पुत्र कहलाने से इनकार कर दिया।
उसने पाप के क्षणिक सुखों का आनंद लेने के बजाय परमेश्वर की प्रजा के साथ दुर्व्यवहार को चुना।
उसने मसीह के कारण अपमान को मिस्र के खजानों से अधिक
मूल्यवान माना, क्योंकि वह अपने पुरस्कार की ओर देख रहा
था।”

धार्मिक दृष्टि से, मूसा ईसाई जीवन का पूर्वाभास देते हैं:

उसने मिस्र के अस्थायी सुखों को त्याग दिया—जो पाप और सांसारिक लाभ का प्रतीक है (1 यूहन्ना 2:15–17)।

स्वर्ग के राज्य की कीमत

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

उसने परमेश्वर की प्रजा के साथ दुःख अपनाया—जो मसीह के दुःखों में भागीदारी
की ओर संकेत करता है (फिलिप्पियों 3:10)।
उसने पृथ्वी के धन से ऊपर मसीह के अपमान को महत्व दिया—सच्चा विश्वास वर्तमान से परे शाश्वत पुरस्कार की ओर देखता है।

4. पॉल का उदाहरण

पॉल फिलिप्पियों 3:7–8 में कहते हैं:

“पर जो कुछ मेरे लिए लाभ था, उसे मैं अब मसीह के कारण हानि
समझता हूँ।
बल्कि, मैं सब कुछ हानि समझता हूँ क्योंकि मसीह येसु मेरे प्रभु को जानने की अपार महिमा के लिए मैंने सब कुछ खो दिया। मैं उन्हें कचरा समझता हूँ, ताकि मैं मसीह को प्राप्त कर सकूँ।”

पॉल की धर्मशास्त्र स्पष्ट है: मसीह सर्वोच्च हैं। जो भी उनके साथ प्रतिस्पर्धा करता है, वह उद्धार की शाश्वत संपत्ति के मुकाबले “कचरा” है। रोमियों 8:18 में वह जोड़ते हैं:

“मुझे लगता है कि हमारी वर्तमान दुखों की तुलना उस महिमा से

स्वर्ग के राज्य की कीमत

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

नहीं की जा सकती जो हममें प्रकट होगी।”

यह भविष्य की महिमा के सिद्धांत को दर्शाता है: अस्थायी दुःख शाश्वत पुरस्कार के सामने नगण्य है।

5. लाओदीकीया को चेतावनी

हम उस लाओदीकीया युग में रहते हैं, जैसा कि प्रकाशितवाक्य 3:17–18 में वर्णित है:

“तुम कहते हो, ‘मैं धनवान हूँ; मैंने धन पाया है और मुझे किसी चीज़ की आवश्यकता नहीं।’ पर तुम नहीं जानते कि तुम दुर्बल, दयनीय, गरीब, अंधे और नग्न हो।
मैं तुम्हें सलाह देता हूँ कि तुम मुझसे आग में परखा गया
सोना खरीदो, ताकि तुम धनवान बन सको; सफेद वस्त्र खरीदो, ताकि अपनी लज्जाजनक नग्नता ढक सको; और अपनी आँखों पर मरहम लगाओ,
ताकि देख सको।”

प्रभु की सलाह का धार्मिक अर्थ है: हमें सांसारिक गर्व को सच्ची आध्यात्मिक संपत्ति के लिए बदलना चाहिए। मसीह से “खरीदना” का

स्वर्ग के राज्य की कीमत

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

अर्थ है—पश्चाताप, समर्पण और आज्ञाकारिता। जैसा कि दृष्टांतों में दिखाया गया, हमें सब कुछ “बेचना” चाहिए—पाप, गर्व, आत्म-निर्भरता—ताकि हम शाश्वत संपत्ति “खरीद” सकें।

6. राज्य तुम्हारे लिए कितना मूल्यवान है?

शिष्य कभी येशु से पूछते हैं कि उनके बलिदान का क्या मतलब है। उन्होंने मत्ती 19:28 में उत्तर दिया:

“मैं तुमसे सच कहता हूँ, सब कुछ नया होने पर जब मानव पुत्र
अपने महिमा की सिंहासन पर बैठेगा, तब तुम जो मेरे पीछे चले
हो, तुम भी बारह सिंहासनों पर बैठोगे, और इस्राएल की बारह जातियों का न्याय करोगे।”

धार्मिक दृष्टि से, यह दिखाता है कि शाश्वत पुरस्कार वर्तमान बलिदान पर आधारित है। कुछ मसीह के साथ राजा और पुरोहित बनेंगे (प्रकाशितवाक्य 20:6)। अन्य राज्य में सबसे छोटे होंगे। पर सभी यह देखेंगे कि मसीह का पालन करना सच में मूल्यवान था।

निष्कर्ष

स्वर्ग के राज्य की कीमत

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

स्वर्ग का राज्य मुफ्त है क्योंकि मसीह ने क्रूस पर सर्वोच्च मूल्य चुकाया। फिर भी यह महंगा है, क्योंकि इसके लिए हमें सब कुछ त्यागना पड़ता है जो उसके साथ प्रतिस्पर्धा करता है।

धर्मशास्त्री जिम एलियट ने कहा था:

“वह मूर्ख नहीं है जो वह देता है जो वह नहीं रख सकता, ताकि वह
पा सके जो वह नहीं खो सकता।”

तो सवाल यह है: तुम्हारे लिए राज्य कितना मूल्यवान है?

जैसा कि येशु ने मत्ती 11:12 में कहा, “स्वर्ग का राज्य हिंसा के अधीन रहा है, और हिंसक लोग इसे जबरदस्ती छीनते हैं।” ईश्वर हमें उसकी राज्य की सही कद्र करने की शक्ति दें और इसके मूल्य का आनंदपूर्वक भुगतान करने की कृपा दें।

आमीन।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

स्वर्ग के राज्य की कीमत

Share on:
WhatsApp

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8